पुस्तकालय

2
3230
9/8/12

सत्यमेव जयते

असंशोधित

3 AUG 2012

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
ग्रं०सं०प्र०सं०...1235 तिथि...9/8/12

टर्न-5/03.8.2012/बिपिन

3-राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, पटना के साथ आई0जी0 ई0 मेडिकल सिस्टम, सिल्वासा का लोक निजी साझेदारी पी0पी0पी0 मोड के तहत अल्ट्रासाउण्ड मशीन का अधिष्ठापन हेतु एकरारनामा हो चुका है । यथाशीघ्र अल्ट्रासाउण्ड मशीन अधिष्ठापन करा कर कार्य प्रारम्भ की जाएगी तथा ऑटो एनालाइजर मशीन भविष्य में अधिष्ठापित करने हेतु विभाग विचार कर रही है ।

श्रीमती उषा सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, ऑटोएनालाइजर मशीन और अल्ट्रासाउण्ड मशीन की व्यवस्था बाहर से आउटसोर्सिंग के माध्यम से की जा रही है लेकिन अस्पताल का कोई मतलब नहीं है । वहां के डॉक्टर, जब भी कोई गर्भवती महिला जाती है तो उनको बाहर भेज दिया जाता है कि बाहर से जांच करा कर लाइये और फिर मजबूरन उनलोगों को प्राइवेट हॉस्पिटल की शरण लेनी पड़ती है, प्राइवेट डॉक्टर के पास जाना पड़ता है । इसलिए मेरा अनुरोध होगा कि यह दोनों मशीन किसी भी अनुमण्डलीय अस्पताल के लिए बहुत ही आवश्यक है, इसकी प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए ।

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री: महोदय, मैंने स्पष्ट बता दिया कि ऑटोएनालाइजर मशीन अभी सबडिविजन हॉस्पिटल में व्यवस्था बहुत जगह, कहीं भी नहीं हुई है । हमलोग उसकी पूरी प्रक्रिया बना रहे हैं महोदय और जैसे ही वह, पी0पी0मोड पर या जिस प्रकार से भी होगा, तो हम प्रायरिटीपूर्वक हिलसा में भी उपलब्ध कराएंगे महोदय, और जहां तक महोदय, मैंने बता ही दिया कि मैनुअल वहां काम हो रहा है, जांच हो रही है । कोई काम उसके कारण रूका नहीं है महोदय ।

दूसरी बात कि जो अल्ट्रासाउण्ड मशीन है उसका सब कुछ हो गया है, एकरारनामा, और अगले जितना जल्दी-से-जल्दी होगा महोदय । हम स्वयं मोनिटरिंग कर रहे हैं । इसको लगवा कर काम चालु करवाएंगे ।

श्रीमती उषा सिन्हा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को आपके माध्यम से धन्यवाद ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0: 20 (श्री उमा कांत यादव)</u>

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: अध्यक्ष महोदय, 1- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

2- आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । बोर्ड के पत्रांक 693 दिनांक 6.6.2002 द्वारा पूर्व से कार्यरत मधुबनी, बेनीपट्टी एवं बाबुबरही अवर प्रमंडल को एकीकृत करते हुए उन्हें विद्युत आपूर्त्ति अवर प्रमंडल,मधुबनी के अन्तर्गत लाया गया था । विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, जयनगर की संरचना में कोई बदलाव नहीं किया गया है ।

टर्न-5/03.8.2012/बिपिन ...

3- बाबूबरही विद्युत आपूर्त्ति प्रशाखा, विद्युत आपूर्त्ति अवर प्रमंडल, जयनगर के अधीन कार्यरत है ।

जहां तक विद्युत संबंध लेने में हो रही कठिनाई का प्रश्न है, बोर्ड ने अभी हाल में सिंगल फेज के भी कनेक्शन देने के लिए संबंधित विद्युत आपूर्त्ति प्रशाखा के प्रभारी कनीय विद्युत अभियंताओं को प्राधिकृत किया है ।

यहाँ यह भी स्पष्ट करना है कि मधुबनी जिला के अन्तर्गत दो विद्युत आपूर्त्ति प्रमंडल, (मधुबनी एवं झंझारपुर) कार्यरत है, जिनके अधीन कुल छः विद्युत आपूर्त्ति अवर प्रमंडल कार्यरत है । जिले की जनसंख्या विद्युत खपत तथा राजस्व को देखते हुए व्यवस्था अभी पर्याप्त दिखती है ।

4- यथा उपर्युक्त कंडिका-3 में वर्णित है ।

लेकिन मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जब विद्युत आपूर्त्ति का विस्तार होगा और अधिक कंज्यूमर होंगे और रेवेन्यु ज्यादा आने लगेगा तो विचार किया जाएगा उस समय ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0: 21 (श्री रामेश्वर प्रसाद)</u>

(इस अवसर पर माननीय प्रश्नकर्त्ता सदस्य अनुपस्थित।)

<u>तारांकित प्रश्न सं0: 22 (श्री अवनीश कुमार सिंह)</u>

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: अध्यक्ष महोदय, 1-उत्तर स्वीकारात्मक है । राज्य में विद्युत की कम उपलब्धता के कारण ''पर कैपिटा उपभोग'' मात्र 122.11 यूनिट है ।

2- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

3- सरकार प्रदेश के उपभोक्ताओं का 'पर कैपिटा उपभोग'' बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है । 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के अंत तक ''पर कैपिटा उपभोग'' बढ़ाने का महत्तम प्रयास किया जा रहा है ।

श्री अवनीश कुमार सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या माननीय मंत्री जी यह बताएंगे कि राज्य में कुल कितने कनेक्शन हैं? बिजली के कुल कितने कनेक्शन हैं और उस पर कितना लोड है ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: महोदय, यह तो एक अलग प्रश्न हुआ । अभी तक ''पर कैपिटा'' खपत पर माननीय सदस्य का है, वह आंकड़े अभी हमारे पास उपलब्ध नहीं है जो माननीय सदस्य पूछ रहे हैं लेकिन जानकारी भिजवा देंगे । लेकिन